प्रदर्शनकारी कला विभाग द्वारा

'मधुबाला' पर डॉकुयमेंट्री का प्रदर्शन

वर्धा , दी. 24: महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के प्रदर्शनकारी कला (फिल्म/रंगमंच) विभाग द्वारा फिल्म अभिनेत्री 'मधुबाला' पर बनाई गई डॉकुयमेंट्री 'आये बहार बनके , लुभाकर चले गए' का प्रदर्शन हबीब तनवीर सभागार में किया गया.

मधुबाला के 45 पुन्य स्मरण के अवसर पर इस प्रदर्शन का आयोजन किया गया था. यह फिल्म मूल वर्धा निवासी ,परन्तु अब मुंबई में स्थित नंदकिशोर गावंडे द्वारा निर्देशित की गई है.लेखन ,संपादन तथा पटकथा भी उन्होंने तैयार की है. निर्माण सहायक के रुपमे विलास घोलसे ने भूमिका अदा की, तथा कमेंट्री गिरीराज सिंह राठोर की है.

इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रुपमे वर्धा के साहित्यकार , कवी संजय इंगले तिगावकर ,डॉ रामानुज अस्थाना ,डॉ. राकेश मिश्रा ,

डॉ.सुनील कुमार 'सुमन', संजय गावंडे आदि उपस्थित थे. प्रस्तावना पाठ तथा आभार ज्ञापन संयोजक डॉ.सतीश पावडे ने किया. फिल्म प्रदर्शन के बाद निर्देशक नंदकुमार गावडे से फिल्म पर उपस्थित दर्शको द्वारा चर्चा की गयी. सवाल भी पूछे गए.

कार्यक्रम की सफलता हेतु डॉ हिमांशु नारायण , डॉ.अश्विनी कुमार सिंह ,अभिषेक सिंह ,सुरभि विप्लव , प्रगति मिरगे, हेमा ठाकरे ,उमेश कुमार , आशीष कुमार आदिने सहयोग दिया.